क्रिस्टडेलफियन

(मसीह में एक दुसरे के भाई और बहन)

बाइबिल समुदाय पर आधारित एक विशेष पुस्तक

लेखक: रोब हैन्डमैन Rob Hyndman

यह छोटी सी पुस्तक 1999 में, बेथेल प्रकाशन पोस्ट बाक्स 285 बीच वर्थ, वी.आई.सी. 3747, आस्ट्रेलिया, की अनुमति से, प्रिन्ट्लैन्ड प्रकाशन, जी.पी.ओ. बाक्स 159, हैदेराबाद 500 001, द्बारा पुनः प्रकाशित और मुद्रित की गयी। यदि इस पुस्तक के अन्त में कोई और पता नहीं दिया गया है तो आप इस पुस्तक से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की पूछ-ताछ इस पते पर कर सकते है।

The Christadelphians
GPO Box 159,
Hyderabad – 500 001

Original booklet title: “The Christadelphians (Brothers and Sisters in Christ) – Introducing a Bible-based Community”; author Rob Hyndman. ISBN of English edition 81-87409-34-7

क्रिस्टडेलफियन

(मसीह में एक दुसरे के भाई और बहन)

रोब हैन्डमैन Rob Hyndman

क्रिस्टडेलफियन, विश्व में एक छोटा सा धार्मिक समुदाय है जो किलिसिया (चर्च) के आरम्भिक विश्वास और जीवन के अधार पर अधारित है।

क्रिस्टडेलफियन शब्द का प्रयोग लगभग 150 वर्षो से किया जा रहा है, यह शब्द युनानी भाषा के दो शब्दो से मिलकर है, जिसका अर्थ "मसीह में एक दुसरे के भाई और बहन है।" कृपया उल्लेख के लिए, बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें कुलुस्सियों 1:2 और इब्रानियों 2:11।

हम लोगों का यह धार्मिक समुदाय विश्व के 120 देशो में है, हम लोगों की अधिक सख्यां बाले देश ग्रेट ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया, न्यू ज़ीलैन्ड, उत्तरी अमेरिका, भारत और आफ़्रिका है। प्रारम्भिक मसीहियों की तरह, हम लोग घरों में या किराऐ के घरों में, और कुछ स्थानो में अपने स्वंय के किलिसिया द्वारा खरीदे गये घरो में मिलते है। कृपया उल्लेख के लिए, बाईबिल के इन अनुच्छेदो को देखें प्रेरितो के काम 1:13-14, 2:46-47, 18:7, 19:9, 28:30।

हम लोगों का यह समुदाय किलिसिया के नाम से जाता है (किलिसिया युनानी भाषा के नये नियम का शब्द है), हम लोगो के समुदाय के किसी भी सदस्य को किसी भी प्रकार का मासिक वेतन नहीं दिया जाता है, हम लोगो के समुदाय के हर एक सदस्य को भाई और बहन कह कर सम्बोधित किया जाता है। और इस समुदाय के हर एक सदस्य विश्वास में बहुत पक्के है, और इस विश्वास के कारण समुदाय का हर एक सदस्य में भाई और बहन की तरह रहता है, समुदाय का सदस्य अपना समय, अपना पैसा और अपनी ताकत परमेश्वर के कार्य में लगाते है। बाईबिल उल्लेख के लिए कृपया आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें रोमियों 12:4-8, 1 कुरिन्थियों 12:4-27, गलातियों 3:28।

हम लोगों का यह विश्वास है कि, बाईबिल ही एक मात्र हम लोगों का पथ प्रदर्शक है, जो परमेश्वर की प्ररणां से लिखी गई है। हमारे समुदाय की सदस्यता, उन सभी के लिए है, जिनका विश्वास, समुदाय के विश्वास जैसा विश्वास हो, और जिनका बपतिस्मा हमारे समुदाय में हो चुका हो।

क्रिस्टडेलफियन का एक संक्षिप्त इतिहास

A brief history

यीशु के शिष्य के समय के मसीहियों का विश्वास, क्रिस्टडेलफियम के ही विश्वास के जैसा था, लेकिन ऐसे विश्वासियों की सख्यां विश्व में बहुत ही कम है, जिन्होने बाईबिल का सुचारु रुप से अध्ययन किया हो, और बाईबिल की सत्यता को अपनाया हो, क्रिस्टडेलफियन भाईयों का विश्वास, पहली शताब्दी के विश्वासीयों के भातिँ है, जैसा कि यीशु के शष्यों के समय में लोगो का विश्वास था। लेकिन सोलाहंवी शताब्दी के शर्मिक लोगों में बहुत परिवर्तन आया, लेकिन प्रारम्भ में ग्रेट ब्रिटेन के बपटिस्ट चर्च के लोगों में यही विश्वास था, और अठाहरवी शताब्दी में कई ऐसे भी महान व्यक्रि हुए है, जिनका विश्वास भी अपने ही जैसा विश्वास था, जैसे सर आईसक न्यूटन और विलियम व्हीटसन।

अब वर्तमान समय का क्रिस्टडेलफियन समुदाय मन् 1830 से आरम्भ हुआ, यह 1830 का वर्ष अमेरिका और इंग्लैन्ड में बहुत ही महत्व का वर्ष माना जाता है, अमेरिका में एक चिकित्मक, जिसका नाम जान थामस था, एक छोटी सी पुस्तिका को छापा, जिसका नाम "हरल्ड आफ द किगंडम", जो बाईबिल की शिक्षा पूर्नरुत्थान और परमेश्वर के राज्य के बारे में थी, उसी प्रकार की एक पुस्तक, ग्रेट ब्रिटेन के एक पत्राकार राबर्ट राबर्ट्स ने छपवाई, जिसका नाम "अमबेसडर आफ द कमिंग ऐज था", थामस और राबर्ट्स ने अपने आप को यह नहीं कहा कि, परमेश्वर का वचन हम पर उतरा है, परन्तु अपने आप को बाईबिल के एक सच्चे शिक्षार्थी के रुप में प्रस्तुत किया।

अमेरिका में सन् 1861 मेंसिविल युद्व के बाद केन्द्र सरकार ने कहा जिन क्रिश्चियन समुदाय ने युद्ध में भाग नहीं लिया,वोःआ फाणा नाम दर्ज करायें, उस समय साम

कोफमैन और दूसरे भाईयो ने अपने आप को मसीह में भाई के नाम से दर्ज कराया, और यह नाम दूसरे लोगों ने भी ग्रहण कर लिया, जो इस विचार से सहमत थे, इस प्रकार क्रिस्टडेलफियन मेरिका, ब्रिटेन और समस्त विश्व में स्थापित हो गया।

अब आप इसन्पुस्तिका के दूसरे भाग में निम्न लिखित चिजो का उल्लेख पायेगें।

1. हमारा विशवास।
2. हमारे जिने का तरीका।
3. हमारी अराधना, संगति और गवाही (साक्षी)।

1. हमारा विश्वास

हमारा विश्वास मात्र एक बाईबिल में है

The Bible

हमारा विश्वास मात्र एक बाईबिल में है, जो परमेश्वर का वचन है, और परमेश्वर की प्रेरणा से लिखा गया है, हम लोगों को बाईबिल बहुत ही सुचारु रुप से पढ़ना चाहिए। बाईबिल उल्लेख के लिए कृपया आप इन अनुच्छेदों को देखें, 2 तिमुथियुस 3:16-17; 1 पतरस 1:10-12; 2 पतरस 1:20-21; प्रेरितो के काम 17:11; इफिसियों 2:20; रोमियों 16-26।

हमारा विश्वास मात्र एक परमेश्वर में है

God

हमारा विश्वास मात्र एक परमेश्वर पर है, जोसम्पूर्ण क्रियाशील पर नियन्त्रण रखता है, और उसके समकक्ष और तुल्य कोई भि नहीं है, और मात्र एक परमेश्वरीय पुत्र यीशु, और पवित्र आत्मा को परमेश्वर की शक्ति है। बाईबिल उल्लेख के लिए कृपया आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें लुका 1:35; प्रेरितों के काम 1:8; 1 कुरिन्थियों 8:6; 1 तिमुथियुस 1:17, 2:5, 6:16।

मनुष्य

Man

मनुष्य पापी है, और एक मरण शील प्राणी है, और पाप का दंड मृत्यु है। बाईबिल में से उल्लेख के लिए कृपया इन अनुच्छेदों को देखें मरकुस 7:21-23; याकूब 1:13-14; रोमियों 3:23, 6:23; भजन सहिंता 115:17, 146:4।

आशा

Hope

हम लोगो की आशा अन्नत जीवन में है, जो यीशु के पुनः आने के बाद, उसके राज्य में प्राप्त होगा। बाईबिल में से उल्लेख के लिए कृपया इन अनुच्छेदो को देखें यूहन्ना 11:24-26; प्रेरितों के काम 5:20, 20:4, 24:15; रोमियों 8:22-39; 1 कुरिन्थियों 15:12; भजन सहिंता 49:12-20।

प्रतिज्ञाएं

The promises

नये नियम का सुसमाचार, उन प्रतिक्षाओं का पुरा होना है, जो परमेश्वर ने ईब्राहिम और दाऊद से पुराने नियम में की थी, और वे सभी प्रतिज्ञाऐ यीशु में पूर्ण हुई। व्याख्या के लिए बाईबिल के निम्न अनुच्छेदों को देखें उत्पत्ति 13:14-17; 2 शमूएल 7:12,16; प्रेरितों के काम 13:32; लूका 1:31-33; गलातियों 3:3-9,16,26-29।

परमेश्वर ने संसार से बहुत प्रेम किया...

God so loved the world...

परमेश्वर ने संसार से ईतना प्रेम किया कि, उसने अपना इकलौता पुत्र भेज दिया, ताकि जो कोई उस पर विश्वास करे, वोह नाश न हो, परन्तु अन्नत जीनव पायें। बाईबिल के इन अनुच्छेदो को देखें मत्ती 1:20-21, 3:17; लूका 1:35; यूहन्ना 3:16।

यीशु मसीह का बलिदान
The sacrifice of Christ

यीशु पाप रहित था, उसने कोई भी पाप नहीं किया, फिर भी वोह, हमारे पापों के कारण अपने आप को बलिदान कर दिया, परमेश्वर ने उसे फिर मरे हुओ में से जिन्दा कर दिया, और परमेश्वर ने स्वर्ग और पृथ्वी का समस्त अधिकार उसे दे दिया, और यीशु परमेश्वर और मनुष्यों के बीच का बिचवई है, कृपया बाईबिल में से उल्लेख के लिए इन अनुच्छेदों को देखें रोमियों 3:21-26; इफिसियों 1:19-23; 1 तिमुथियुस 2:5-6; इब्रानियों 4:14-16।

यीशु की वापसी
The return of Jesus

यीशु पुनः इस पृथ्वी पर वापिस आयेगां, और यीशु जब पुनः वापिस आयेगां, तो वह बहुत से लोगो को जिन्दा करेगां, और उन्हे अन्नत जिवन प्रदान करेगां, और उन्हे परमेश्वर के राज्य में प्रवेश दिलायेगा। बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें दानिय्येल 12:2; मत्ती 25:31-34; लूका 21:20-32; यूहन्ना 5:28-29; प्रेरितों के काम 1:11; 2 तिमुथियुस 4:1; प्रकाशितवाक्य 22:12।

परमेश्वर का राज्य
The kingdom of God

परमेश्वर का राज्य इस पृथ्वी पर स्थापित होगां, और यरुशलेम उसकी राजधानी होगी, और परमेश्वर के राज्य का सचांलन यीशु मसीह करेगां, और यीशु ही परमेश्वर के राज्य का राजा होगां, और उसके राज्य का कभी अन्त न होगां। और उसका राज्य लोगों को अन्नत जीवन और शान्ति दिलायेगां भजन सहिंता 72; यशायाह 2:2-4, 9:6-7, 11:1-9, 61:1-11; यिर्मयाह 3:17; दानिय्येल 2:44, 7:14,27; प्रेरितों के काम 3:21।

उद्धार का मार्ग

The way of salvation

परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करने, और अन्नत जीवन प्राप्त करने का मात्र एक ही उपाय है, वोह यह है कि यीशु में विश्वास करना, पापो को पश्चाताप करना, बपतिस्मालेना और बाईबिल के बताऐं हुए, रास्ते पर चलना।

विस्तार पूर्वक जानकारी हेतु, कृपया, आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को ध्यान पूर्वक पढ़े मत्ती 16:24-27; मरकुस 16:16; यूहन्ना 3:3-5; प्रेरितों के काम 2:37-38; 2 तिमुथियुस 3:15; इब्रानियों 11:6।

कुछ महत्वपूर्ण अन्तर

Some important differences

अक्सर हम लोगों से यह पूछा जाता है कि आप में और दूसरे मसीहीओं में क्या अन्तर है, यह सत्य है कि हमारी मन्डली का दूसरे मन्डली से बहुत अन्तर है, परन्तु हमारी मन्डली बाईबिल पर आधारित प्रारम्भिक मसीहिओं जैसी है, हम लोगों केमन्डली की शिक्षा, दूसरे मन्डली की शिक्षा से इस प्रकार भिन्न है।

हमारी मन्डली त्रिएकता (पिता, पुत्र,प वित्र आत्मा) के सिद्धान्त में विश्वास नहीं रखती, क्योंकि त्रिएकता का सिद्धान्त बाईबिल में कहीं भी नहीं पाया जाता, और यह त्रिएकता का सिद्धान्त यीशु के तीन सौ वर्षो के बाद, 325 ईसवी में चर्चो द्वारा लाया गया, बाईबिल हम लोगों को यह बताती है कि यीशु परमेश्वर का पुत्र था, परन्तु यीशु तो परमेश्वर नहीं था, और न तो परमेश्वर के तुल्य, क्योंकि बाईबिल यह बताती है कि, परमेश्वर एक है, और परमेश्वर के समकक्ष कोई भी नहीं है, त्रिएकता के विचारकारी, यह नहीं सोचते कि परमेश्वर न तो मर सकता है, और न तो किसी परीक्षा में पड़ सकता है, जैसा यीशु के साथ हुआ। कृपया इसको और विस्तार से समझने के लिए, आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें।

1 तिमुथियुस 2:5, 1 कुरिन्थियों 11:3, इब्रानियों 5:8, और हम लोगों की मन्डली, इस बात से भी पूर्ण रुप से असहमत है कि, मनुष्य की मृत्यु के बाद, उसकी आत्मा

स्वर्ग में जाती है, परन्तु बाईबिल की शिक्षानुसार हम लोगो का यह विश्वास है, कि यीशु, पुनः जब इस धरती पर वापिस आयेगां तो वह मरे हुओं को जिन्दा करके, परमेश्वर के राज्य में प्रवेश करा के, उसे अन्नत जिवन पर्दान करेगां।

कृपया बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें, यूहन्ना 3:13; प्रेरितों के काम 2:34; 1 थिस्सलुनिकियों 4:16 और हमारी मन्डली के लोगो का यह विश्वास है बपतिस्मा मात्र व्यस्क लोगों के लिए ही है, और बपतिस्मा मात्र पुरा पानी में डुबाए जानें के ही द्वारा सम्भव है, जन्मजात शीसु को पानी छिड़क कर, बपतिस्मा देने का प्रवधान बाईबिल अनुच्छेदों को देखें। यूहन्ना 3:13; प्रेरितों के काम 2:12; 1 पतरस 3:21, और हम लोगों का यह भी विश्वास है कि "शैतान" शब्द का अर्थ बाईबिल में "पापी मनुष्य" और "मनुष्य के पापी कार्य" से है। परन्तु अन्य मन्डली के भाँति हम लोगो का विश्वास यह नहीं है कि शैतान परमेश्वर की ओर से कोई जन या आत्मा है। कृपया बाईबिल अनुच्छेद के लिए, आप इन अनुच्छेदों को देखें, यशायाह 45:7; मरकुस 8:33; यूहन्ना 6:70; इब्रानियों 1:14।

2. हमारे जीनें का तरीका

बाईबिल हमारे जीवन का पद प्रदर्शक

The Bible - Guidebook for life

हमारे मन्डली के हर एक सदस्यों के जीवन का मुख्य आधार बाईबिल है, मन्डली के हर एक सदस्य प्रतिदिन बाईबिल पढ़ता, और बाईबिल का अध्ययन करता है, और बाईबिल के बताऐ हुए रास्ते पर चलने का प्रयत्न करता है, हमारी क्रिस्टडेलफियन मन्डली ने बाईबिल को सुचारु रुप वर्ष में पुराना नियम एक बार, और नया नियम दो बार पढ़ा जा सकता है, परन्तु हमारे मन्डली के बहुत से सदस्य चार्ट से भी अधिक बाईबिल पड़ते है, हमारे मन्डली का यह विश्वास, बाईबिल की इस अधार शिला से लीया गया है, रोमियों 15:4; 1 थिस्सलुनिकियों 2:13; याकूब 1:22; 2 तिमुथियुस 2:15।

प्रार्थना
Prayer

हमारे मन्डली के हर एक सदस्यों का जीवन प्रार्थना पर आधारित है, जैसे यीशु ने बताया, हमेशा प्रार्थना किया करो, और प्रार्थना हमेशा परमेश्वर से किया करो, क्योंकि तुम्हारा स्वर्गीय पिता सब कुछ जानता है, हमारे मन्डली का हर एक सदस्य पिता परमेश्वर से प्रार्थना करता, यीशु से नहीं, परन्तु पिता परमेश्वर से प्रार्थना कर के यीशु के नाम से मांगता है। कृपया बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें, यूहन्ना 15:16, 16:26; इब्रानियों 2:15।

जीवन निर्वाह हेतु कार्य
Work

हमारे मन्डली का हर एक सदस्य, अपने और अपने परिवार के पालन पोषण हेतु, प्रति-दिन कार्य करता है, और सन्त पौलुस ने भी ऐसा ही किया, और मन्डली का कोई भी सदस्य, राजनीति, पुलिस, फौज, फौजदारी कानुनों में भाग नहीं लेता है। हमारी मन्डली और उनके सदस्यों का यह विचार, बाईबिल के निम्न-लिखितनुच्छेदों पर अधारित है। 1 तिमुथियुस 5:8; 2 थिस्सलुनिकियों 3:6-12।

हमारा परिवारिक जीवन
Family life

हमारा परिवारिक जीवन हमारे चरित्र का अधार होता है, हमारे परिवार के बच्चे प्रति-दिन प्रार्थना करने वाले, और कीकिसिया (चर्च) जाने वाले तथा माता-पिता का आदर करने वालए होता चाहिए, परिवार के बड़े-बुडे की देखभाल परिवार के दूसरे सद्स्यों, और मसीह भाईयों द्वारा की जानी चाहिए, पति और पात्नियों को बहुत ही प्रेम और सद्भावना के साथ रहना। चाहे। कृपया बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें इफिसियों 5:22-23,6:4; 1 तिमुथियुस 5:4।

दान (कल्याण)

Giving

हमारी मन्डली, और हमारी मन्डली के सदस्य दान करने में भी आगे है, परन्तु हमारी मन्डली और उसके सदस्य जब दाब करते है, तो वोह किसी को भी कुछ भी नहीं मालुम होने देते, और हमारी मन्डली और उसके सदस्य, प्रचार और दान को एक साथ नहीं मिलाते, ताकि लोग यह न समझलें कि हम लोग पैसा देकर, यीशु का प्रचार कर रहे है। और हम लोग पुराने नियम के अनुसार अपना दसवां अंश नहीं देते, क्योंकि यह दसवां अशं पुराने समय में मात्र धार्मिक कार्य के लिए था, जो नये नियम के सिद्धान्त में प्रचलित नहीं है। कृपया अधिकतम उल्लेख के लिए आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें गलातियों 6:10; याकूब 1:27, 2:15-16; मत्ती 6:1-4; यूहन्ना 6:26; गिनतियों 18:24; इब्रानियों 7:1-28।

शारिरिक या आत्मीक

Flesh and spirit

हम लोगो को बपतिस्में की इस प्रकार तैय्यारी करनी चाहिए, जो शारीरिक रुप से न होकर, आत्मीक रुप से हो, क्योंकि परमेश्वर हृदय (दिल) परिर्वतन को बहुत मगत्व देता है, और हम मसीहियों का यह विश्वास है कि परमेश्वर अपने वचन के शब्दो द्वारा, हममें कार्य करता रहता है, कृपया आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें रोमियों 6:1-4; मरकूस 14:38; गलातियों 5:22-25।

विश्वास और अनुग्रह

Faith and grace

हम लोगों का सम्पूर्ण विश्वास परमेश्वर पर है, हम लोग प्रतिदिन प्रार्थना करते है, लोगों की सेवा करते है, लोगों के लिए अच्छे-अच्छे कार्य करते है, परन्तु हम ल्गोगं का यह विश्वास है, कि उद्धार मात्र परमेश्वर के अनुग्रह द्वारा ही सम्भव है, और हम लोग उस प्रकार चलने का प्रयत्न करते है, जिस प्रकार यीशु अपने पिता के बताऐ हुए

रास्ते पर चला, और अपने पिता परमेश्वर की आज्ञां को दुख (तकलीफ) उठा-उठा करके भी मानना सीखा। बाईबिल के इस अनुच्छेद को देखें इफिसियों 2:8।

3. हमारी अराधना, गवाही, और संगती

संगती

Meetings

हमारे मन्डली के हर एक सदस्य हफ्ते में एक बार प्रभु भोज में शामिल होते है, और मसीह के किये गये बलिदान को याद करते है, और जितने भी लोगों ने बपतिस्मा लिया है, प्रभु भोज में शामील होते है। कृपया बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें, 1 कुरिन्थियों 11:23-26, 12:13; मत्ती 26:23-30। हफ्ते में एक बार हमारे सभी भाई बहन जो एकत्रित होते है, मारे प्रभु भोज में ही नहीं शमिल होते, परन्तु बाईबिल में से दो या तीन खंण्ड को पढ़ते है, परमेश्वर की प्रशंसा में कई गीत गाते है, और प्रति सप्ताह अलग-अलग भाई प्रभु के वचन को सुनाते है, कृपया बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें, इफिसियों 5:19; 1 तिमुथियुस 4:13; इब्रानियों 3:13।

और हम लोगों की यह धार्मिक सभा प्रयाय: रविवार के दिन होती है, परन्तु जहाँ रविवार के दिन अवकाश नहीं है, वहाँ शनिवार के दिन होती है, क्योंकि शनिवार को नेपाल में अवकास का दिन है। बच्चे रविवार के दिन हमारी मन्डली के विशेष स्कूल में परमेश्वर की शिक्षा प्राप्त करते है, कृपया बहुतायत से समझबे के लिए आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों के देखें, प्रेरितों के काम 2:42, 20:7; 1 कुरिन्थियों 16:2, और बहुत सी मन्डलीयों में हफ्ते में एक या दो बार बाईबिल का अध्य्यन होता है, और किशोरी अवस्था वालों के लिए विशेष कार्यक्रम का आयोजन होता है।

बाईबिल का अध्य्यन विद्धालय

Bible schools

अन्य मन्डलीयों की भातिँ, क्रिस्टडेलफियन की मन्डली में कोई बाईबिल स्कूल,

कालेज, सेमिनरी या विद्यालय नहीं है, परन्तु प्रत्येक वर्ष हनारी मन्डली के समस्त सदस्य एक बहुत बड़ा हाल, या अन्य कोई स्थान को बुक कराते है, और उस स्थान में लगभग एक सप्ताह का बाईबिल अध्य्यन का कार्यक्रम चलाते है, और इस एक सप्ताह के बाईबिल अध्य्यन केन्द्र में प्रयाय: दो या तीन शिक्षक होते है, और इस कार्यक्रम का आयोगन होता है, और इस प्रति वर्ष बाईबिल अध्य्यन केन्द्र में बाईब्लि प्रतियोगिता का भी आयोजन होता है, और जो सदस्य बाईबिल में सब से अच्छा अंक प्राप्त करते है, उन्हे पुरुस्कार से सम्मानित भी किया जाता है।

हमारी मन्डली का सगंठन

Organisation

हमारी मन्डली का कोई भी सगठंन या केन्द्रीय कार्यालय नहीं है, परन्तु हमारी मन्डली के लोग एक ही विश्वास से सहमत होने के कारण, आपस में एक दूसरे के साथ भाई और बहन के समान रहते है, इस प्रकार हमारी इस क्रिस्टडेलफियन के समस्त सदस्य सम्पूर्ण विश्व में एक परिवार के समान रहते है, कृपया उल्लेख के लिए आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखे, इफिसियों 3:15, 4:1-6; 1 यूहन्ना 1:6-7। हमारी मन्डली में, अन्य मन्डलियों की भातिँ कोई भी पादरी, प्रचारक, या मासिक वेतन पर कार्य करने वाला नहीं है, सभी सदस्य अपना समय और अपना पैसा लगाकर परमेश्वर की सेवा में तल्लीन रहते है, हमारी मन्डली के सभी सदस्य आपस में भाई और बहन के समान रहते है, और हम लोग आफस में एक परिवार की भातिँ रहकर एक दूसरे के दुख को बाटते है। कृपया बाईबिल उल्लेख के लिए, आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें, मत्ती 23:8-11; प्रेरितों के काम 1:23-26, 6:1-6।

प्रचार

Preaching

प्रत्येक मन्डली अपने-अपने क्षेत्र में परमेश्वर के राज्य का प्रचार, यीशु के नाम में करती है, और यीशु की शिक्षा अपने क्षेत्र के लोगों तक पहुचाती है, कृपया बाईबिल के इन अनुच्छेदो को देखें प्रेरितों के काम 8:12, 28:31; 2 तिमुथियुस 4:2।

और बहुत से क्रिस्टडेलफियन मन्डली के भाई, दूसरे देशों में जाकर प्रभु के प्रचार का कार्य करते है, परन्तु यह भाई जन जो दूसरे देशो में जाकर प्रभु प्रचार का कार्य करते है, वोह अपना स्वंय का पैसा और समय लगाकर यीशु के प्रवार का कार्य करते है, कृपया आप बाईबिल के इन अनुच्छेदों को देखें, प्रेरितों के काम 20:33-34; 1 थिस्सलुनिकियों 2:9। क्रिस्टडेलफियन बहुत से देशों में बाईबिल अध्य्यन का कार्य क्रम भी चलाती है, और मुफ्त में यीशु का शुभ समाचार व परमेश्वर के राज्य से सम्बन्धित पुस्तक व पर्च बाटतें है। सन्त पौलुस की भाँति, हम लोग भी मुफ्त में प्रभु की सेवा करते है। जैसा कि सन्त पौलुस ने कहा, “शुभ समाचार का प्रचार मुफ्त में किया करो।" (1 थिस्सलुनिकियों 9:18)

आमन्त्रण

An invitation

क्रिस्टडेलफियन बहुत ही प्रेम भाव की संगति है, और हम लोगों की मन्डली परमेश्वर की सेवा में हर प्रकार से तल्लीन है, और जहाँ तक सम्भव हो सकता है, परमेश्वर की अराधना और सेवा में लगी रहती है, क्या आप इस मन्डली के बारे में और विस्तार से जानना चाहते है, तो कृपया आप इस पुस्तीका में दिये गये पते पर सम्पर्क करे।

रोब हैन्डमैन